Government of Gujarat has, however, lifted 532.76 thousand MTs of foodgrains against the 845.50 thousand MTs of total foodgrains allocated under TPDS from June, 1997 to March, 1998.

(c) and (d) No request from the State Government for enhancement of monthly quota of foodgrains has been received. The Government of Gujarat has intimated a demand for Refined, Bleached and Deodorised (RBD) Palmolein only for the festival months of August to November., 1998 at the rate of 9000 MTs per month for distribution under PDS.

खाद्य तेलों के मूल्यों में वृद्धि

1082 श्री बरजिन्दर सिंह :

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया :

क्या खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच यह कि गत तीन वर्ष के दौरान खाद्य तेलों के उपभोक्ता मूल्यों में भारी वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो गत वर्ष इस अवधि की तुलना में मूल्यों में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है,

(ग) क्या देश में तिलहनों के उत्पादन में कमी होने तथा विश्व के तेल निर्यातक देशों द्वारा निर्यात पर रोक लगाने से खाद्य तेलों के मूल्यों में वृद्धि की संभावना पहले ही बन गई थी, और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा मूल्य वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए तथा तिलहनों के निर्यात पर रोक लगाने तथा उनके आयात हेतु सुविधाएं न देने के क्या कारण है?

नागरिक पूर्ति विभाग में राज्य मंत्री (श्री सत्यपाल सिंह यादव) : (क), (ग) और (घ) 1995 को आधार वर्ष मानते हुए पिछले तीन वर्षो के दौरान खाद्य तेलों के उपभोक्ता मूल्यों में प्रतिशतता वृद्धि का ब्यौरा विवरण- । में दिया गया है । कुल मिलाकर, 1996 और 1997 में खाद्य तेलों के मूल्य 1995 की तुलना में काफी कम रहे हैं । तथापि, अप्रैल और मई, 1998 में इन मूल्यों में तेजी से वृद्धि हुई है ।

मूल्यों में हाल ही में वृद्धि निम्नलिखित महत्वपूर्ण तथ्यों के कारण हुई है:-

(1) वर्तमान तेल वर्ष में घेरलू तिलहनों में मामूली कमी होना।

(2) अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य तेल के मुख्य आपूर्तिकर्ता इन्डोनेशिया में मुख्यतया वित्तीय अस्थिरता और नागरिक असंतोष के कारण अन्तर्राष्ट्रीय तेल मूल्यों में वृद्धि होगा ।

(3) रूपये के मुकाबले डालर की कीमत अधिक होना ।

निर्यात आयात नीति के अधीन, खाद्य तेलों पर आयात अप्रैल 1994 से खुल सामान्य लाइसेंस पर किया गया है । खाद्य तेलों पर आयात शुल्क 1994 के 65 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत के वर्तमान स्तर पर लाया गया है । इस "आयात खिड़की" की इस्तेमाल करके समय-समय पर खाद्य तेलों की उपेक्षित मात्रा आयात की गई है ताकि घरेलू उपलब्ध्ता में वृद्धि की जा सके ।

(ख) पिछले वर्ष (1997) के दौरान तदनुरूपी अवधि की तुलना में उपभोक्ता मूल्यों में प्रतिशतता अन्तर विवरण – ॥ में दिया गया है।

विवरण – ।

1995 को आधार वर्ष मानते हुए पिछले तीन वर्षो के दौरान उपभोक्ता मूल्यों में प्रतिशत अंतर

	1996			1997			1998		
माह	**मूगफली तेल**	**सरसों तेल**	**वनस्पति**	**मूगफली तेल**	**सरसों तेल**	**वनस्पति**	**मूंगफली तेल**	**सरसों तेल**	**वनस्पति**
जनवरी	-2.63	5.40	-11.90	2.63	5.40	-7.10	10.52	2.70	-4.76
फरवरी	-7.50	2.70	-11.90	-2.50	2.70	-9.50	5.00	2.70	-4.76
मार्च	-11.25	5.50	-12.19	-5.00	8.33	-3.66	10.00	11.11	-2.44
अप्रैल	-8.80	5.90	-5.00	-9.50	11.76	-1.25	14.28	29.41	12.50
मई	-7.31	2.85	-7.69	2.40	8.50	-1.28	17.00	28.57	25.64

विवरण- II

1997 **की तदनुरूपी अवधि की तुलना में** 1998 **में रहे उपभोक्ता मूल्यो में प्रतिशत अतंर**

माह	मूंगफली तेल	सरसों तेल	वनस्पति
जनवरी	7.69	2.56	2.56
फरवरी	7.69	कोई परिवर्तन नहीं	5.26
मार्च	15.78	2.56	1.26
अप्रैल	26.31	15.78	13.92
मई	22.50	18.42	24.00

बीनी मिलों द्वारा गन्ना उत्पादकों को बकाया राशि का भुगतान

1083. **श्री बरजिन्दर सिंह** :

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया :

क्या खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या चीनी मिलों द्वारा गन्ना उत्पादकों को भारी मात्रा में बकाया राशि का भुगतान शेष हैं;

(ख) यदि हां, तो अक्तूबर, 1997 को उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पंजाब और कर्नाटक में कितनी-कितनी राशि का भुगतान शेष है,

(ग) क्या गत वर्षो में भी भुगतान बकाया रहा है, और

(घ) यदि हां, तो अक्टूबर 1994, अक्टूबर 1995 तथा अक्तूबर, 1996 में क्रमशः कितनी-कितनी राशि का भुगतान बकाया था क्या सरकार कोई स्थायी व्यवस्था स्थापित करने पर विचार कर रही है ताकि उत्पादकों को बकाया राशि का भुगतान शेष न रहे ?

नागरिक पूर्ति विभाग में राज्य मंत्री (श्री सत्यपाल सिंह यादव) : (क) चीनी मिलों से प्राप्त सूचना के अनुसार देश में 31.3.1998 को स्थिति के अनुसार चीनी मौसम 1997-98 (अक्तूबर सितम्बर) से संबंधित गन्ने के मूल्य की बकाया राशि निम्नानुसार थीः-

(आंकडें लाख रूपये में)

मौसम	31.3.98 को स्थिति के अनुसार देय गन्ने का कुल बकाया मूल्य	31.3.98 तक गन्ने का अदा किया गया मूल्य	31.3.98 को स्थिति अनुसार बकाया राशि	कुल देय धन-राशि के प्राति बकाया राशि की प्रतिशतता
1997-98	583155.88	507258.88	75897.00	13.01

पिराई अवधि के दौरान, जब खरीदे गए गन्ने की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है, तब गन्ना मूल्य की बकाया राशि में वृद्धि की प्रवृत्ति होती है जो मौसम के अन्त तक धीरे-धीरे काफी कम हो जाती है ।